सेवा ✣ संस्कार ✣ संगठन

अर्हम्

शुभम् भूयात् मंगलम् भूयात् कल्याणम् भूयात्

पाथेय

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

पंजीकृत कार्यालय : युवालोक, पो.बॉ.नं.- 16, लाडनूं - 341306 (राजस्थान) फोन : 01581-222114

प्रशासनिक कार्यालय : अणुव्रत भवन, 210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, तीसरी मंजिल, नई दिल्ली-110002, फोन : 011-23210593

E-mail : abtyp1964@gmail.com Website : www.abtyp.com

वर्ष - 5 अंक - 11 दिनांक : 08.10.2012

President

SANJAY KHATER

SANJAY GULAB & CO., 2944/3, CHUNA MANDI, 4TH FLOOR, PAHARGANJ, NEW DELHI - 110 055, PH. : 011-23561658 (O), 011-27325839 (R)
MOB. : 09810239149, E-mail : president.abtyp@gmail.com

General Secretary

PRAFULL BETALA

GMB MARBLE PVT. LTD., NH-5,, NR. DURGA CHOWK, SIKHARPUR, CUTTACK - 753003, PH. : 0671-2444013 (O), 0671-2428639 (R)
MOB. : 09337267213, E-mail : secretary.abtyp@gmail.com

अध्यक्षीय स्वर

अर्हम्

प्रिय युवा साथियो !

सादर जय जिनेन्द्र ।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा अपने स्थापना दिवस को लक्षित कर 17 सितम्बर 2012 को मानव सेवा का संकल्प संजोए एक लाख यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य चुनौती भरा अवश्य था पर जब धर्मसंघ की युवा शक्ति ने अपनी कर्मजा शक्ति, संघ व संगठन के प्रति समर्पण भावना और दायित्व बोध के प्रति जागरूकता का परिचय दिया तो सफलता के पायदानों को पार कर मंजिल के पास पहुँचकर एक नया कीर्तिमान बन गया । पूरा वातावरण तेरापंथमय, महाश्रमणमय बन गया । संपूर्ण युवा शक्ति का हार्दिक आभार । कार्यक्रम की सफलता में तेरापंथ समाज की उत्साहजनक सहभागिता के साथ-साथ जैन-जैनत्तर संगठनों, धर्मगुरूओं, राजनेताओं, खिलाड़ियों, सिनेस्टार, उच्चाधिकारी, जानी मानी हस्तियों, प्रशासन, ब्लड बैंक मीडिया, नेशनल एड्स कंट्रोल ऑरगेनाईजेशन आदि ने कार्यक्रम में अपने सहयोग और शुभकामनाओं से मानव सेवा के प्रति सम्मान भावना का परिचय दिया । सभी के प्रति आभार । अभातेयुप के संगठन मंत्री श्री राजेश सुराणा ने जिस अथक परिश्रम एवं योजनाबद्ध तरीके से संयोजकीय दायित्व निभाया, बधाई एवं साधुवाद के पात्र हैं । कार्यक्रम के संचालन हेतु सूरत में एक कंट्रोल रूम बनाया गया, जिसमें नवोदित प्रतिभाओं और नई तकनीकी से युवा साथियों ने श्रम और सुझबूझ से अभियान को व्यवस्थित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया, साधुवाद । धर्मसंघ की प्रभावना के इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से योगभूत बने सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार ।

सेवा के इस महान कार्य के माध्यम से संगठन में भी सक्रियता आई है । इस सक्रियता को हमें बनाए रखना है । दिनांक 2-3-4 नवम्बर 2012 को पूज्यप्रवर के पावन सान्निध्य में आयोजित वार्षिक अधिवेशन में हम सबको मिलकर भावी योजनाओं पर चिंतन-निर्णय करना है एवं लक्षित मंजिल को प्राप्त करने की दिशा में चरणों को गतिमान करना है ।

साथियो ! सफलता के आसमां को छूना है पर पाँव जमीं पर बने रहें । संगठन के माध्यम से हम जो भी कर पा रहे हैं वह धर्मसंघ के प्रति हमारा दायित्व है । महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश रहे; संगठन के अनुशासन का पूरा सम्मान रहे; नितांत अपेक्षित है ।

संघ के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ हमारी यही भावना हो-

प्रभो ! तुम्हारे पावन पथ पर जीवन अर्पण है सारा ।
बढ़े चलें हम, रूकें न क्षण भी, हो यह दृढ़ संकल्प हमारा ।।

ॐ अर्हम्

आपका

संजय खटेड़

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।

दिशा–निर्देश

1. शाखा परिषदें **पाथेय** का वाचन अपनी कार्यसमिति की बैठक में अवश्य करें । दिशा–निर्देशों के प्रति सजगता एवं सक्रियता परिषदों के मूल्यांकन में महत्त्वपूर्ण होगी ।
2. **तेयुप कार्यकारिणी का प्रत्येक सदस्य पूर्ण रूप से व्यसन मुक्त होना अनिवार्य है । अगर कोई भी पदाधिकारी / कार्यसमिति सदस्य व्यसनमुक्त नहीं है तो वह व्यसनमुक्त बने या आत्मसाक्षी से अपने पद / दायित्व का विसर्जन करे ।**
3. तेयुप के वे युवा साथी जिन्होंने अभी तक समण संस्कृति संकाय द्वारा आयोजित जैन विद्या प्रवेशिका प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है वे साथी आवश्यक रूप से परीक्षा में संभागी बन कर अपने ज्ञान में श्रीवृद्धि करें ।
4. स्थानीय शाखा परिषदें अपने क्षेत्र में ही कार्य करें । कोई भी शाखा परिषद् यदि कोई स्थायी प्रकल्प / कार्यक्रम करती है तो अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुमति अवश्य प्राप्त करें ।
5. तेयुप प्रकाशन में सहयोग हेतु ज्यादा से ज्यादा संपर्क कर परिषद् की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएं । अधिक जानकारी हेतु प्रकाशन प्रभारी **श्री मुकेश गुगलिया** मो. 9825451442 सह–प्रभारी **श्री नितेश बैद** मो. 9312255404, सह–प्रभारी **श्री राजेन्द्र मुणोत** मो. 9833869950 से सम्पर्क करें ।
6. शाखा परिषदें अपने बकाया शुल्क अभातेयुप के बैंक खाते (OBC, Ladnun A/c No. 10272010002800 या SBI, Ladnun A/c No. 30313076278) में जमा करावें । वर्ष 2011-2012 का शाखा रजिस्ट्रेशन शुल्क अभातेयुप के खाते में तुरन्त जमा करावें । रसीद की प्रतिलिपि प्रशासनिक कार्यालय दिल्ली में भिजवाएं । **अभातेयुप कार्यालय एवं प्रकाशन से संबन्धित सभी प्रकार के पत्राचार प्रशासनिक कार्यालय (दिल्ली) से ही करें ।**
7. **अभातेयुप के तत्त्वावधान में आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा महामंत्री कार्यालय से निश्चित रूप से स्वीकृत करावें, निर्देश की अवहेलना पर अभातेयुप का तत्त्वावधान नहीं माना जाएगा ।**
8. शाखा प्रभारी अपने प्रभार की परिषदों से निरन्तर सम्पर्क में रहकर उनके कार्यों में सहयोग एवं मार्गदर्शन करें । साथ ही शाखा परिषदें भी अपने प्रभारी के साथ निरन्तर संपर्क में रहें ।
9. शाखा परिषदें अपने कार्यक्रमों की जानकारी द्विमासिक रिपोर्ट के प्रारूप में ही भरकर भिजवाएं, न की प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना/रिपोर्ट अलग से भिजवाएं । रिपोर्ट महामंत्री एवं शाखा प्रभारी के पास ही भेजें । **कार्यक्रम की रिपोर्ट सम्बन्धित कार्यक्रम संयोजक को अवश्य भेजें ।**
10. शाखा परिषदें अपने–अपने क्षेत्रों में निम्न विषयों पर क्षेत्रीय कार्यशालाएं आयोजित कर सकती है:– 1. संघीय संस्कार कार्यशाला 2. जैन संस्कार कार्यशाला 3. किशोर मण्डल सम्मेलन । जो परिषदें अपने क्षेत्र में क्षेत्रीय / आंचलिक कार्यशालाएं / सम्मेलन आयोजित करना चाहती है, वे अपने शाखा प्रभारी के माध्यम से महामंत्री कार्यालय से सम्पर्क करें ।
11. आपके सुझाव एवं पतों में परिवर्तन तथा प्रकाशन शिकायतों की जानकारी **suggestion.abtyp@gmail.com** पर मेल करें ।
12. **केन्द्रीय परिषद् से जुड़े हुए स्थानीय व्यक्ति स्थानीय शाखा परिषद् कार्यसमिति में अनिवार्य रूप से विशेष आमंत्रित / कार्यसमिति सदस्य / प्रभारी / पदाधिकारी / परामर्शक के रूप में हों ।**
13. सभी शाखा परिषदें प्रत्येक माह शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सामूहिक सामायिक / धम्मजागरणा का कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें ।
14. शाखा परिषदें अपने–अपने क्षेत्रों में जैन संस्कार विधि का व्यापक प्रचार–प्रसार करें । जैन संस्कार विधि से आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की जानकारी जैन संस्कार प्रभारी **श्री धर्मेन्द्र डाकलिया** मो. 9414137580 को भिजवाएं ।
15. अभातेयुप के पदाधिकारी / प्रभारी / कार्यसमिति सदस्य / क्षेत्रीय सहयोगी द्वारा संपन्न संगठन यात्राओं का संक्षिप्त विवरण **patheyabtyp@gmail.com** पर प्रत्येक महीनें की अन्तिम तिथि तक आवश्यक रूप से मेल करें ।
16. अभातेयुप टीम के साथियों के लिए उपवास एवं एकासन का क्रम 1 जनवरी 2012 से निरंतर चल रहा है । निर्जरा के इस उपक्रम में सभी साथी सहभागी बनें । उपवास की बारी के लिए अपने नाम **श्री मुकेश कोठारी (अहमदाबाद)** मो. 9879939625 एवं एकासन के लिए **श्री दिनेश छाजेड़ (इचलकरंजी)** मो. 9423275276 को लिखावें ।
17. परिषद् के अधिक से अधिक सदस्य श्रावक प्रतिक्रमण कण्ठस्थ करने का सलक्ष्य प्रयास करें ।
18. **सभी शाखा परिषदें एवं परिषद् प्रभारी विशेष ध्यान दें कि 22.05.2012 तक बने सभी सदस्यों की सूची अनिवार्य रूप से सहमंत्री द्वितीय श्री अमित नाहटा को ईमेल – amitabtyp@gmail.com पर भिजवाएं, मो. 09931708149 ।**
19. **तेयुप शाखाओं से पत्र व्यवहार को छोड़कर अभातेयुप से सम्बन्धित सभी पत्राचार अध्यक्षीय कार्यालय अथवा उनके निर्देशानुसार ही किये जाएंगे ।**

आगामी कार्यक्रम

दिनांक	स्थान	कार्यक्रम	संयोजक
1 नवम्बर 2012	जसोल	**प्रबंध मंडल बैठक**	
1 नवम्बर 2012	जसोल	**राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक**	
2-3-4 नवम्बर 2012	जसोल	**46 वाँ वार्षिक अधिवेशन**	श्री हनुमान लुंकड़

आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर

सेवा के क्षेत्र में स्थायी उपक्रमों में एकरूपता हो इस उद्देश्य के साथ शाखा परिषदों द्वारा डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन हो, ऐसा निर्णय किया गया है । सभी शाखा परिषदों से अपेक्षा है कि अपने–अपने क्षेत्र में आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का प्रारम्भ व संचालन करने की दिशा में अति शीघ्र सलक्ष्य प्रयास करें । इस श्रृंखला में तेयुप विजयनगर, तेयुप बेंगलोर व तेयुप उधना द्वारा डायग्नोस्टिक सेंटर का प्रारम्भ भी हो गया है । डायग्नोस्टिक सेंटर की विस्तृत जानकारी के लिये कार्यक्रम के पर्यवेक्षक **श्री कैलाश बोराणा,** मो. 9845502718 से संपर्क करें ।

सेवा ✤ संस्कार ✤ संगठन

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्

–: पंजीकृत कार्यालय :–

युवालोक, पो०बॉ० नं० –16, लाडनूं–341306 (राज०) फोन : 01581-222114

प्रशासनिक कार्यालय

अणुव्रत भवन, 210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, तीसरी मंजिल, नई दिल्ली–110002, फोन : 011-23210593

46 वाँ वार्षिक अधिवेशन

2-3-4 नवम्बर 2012, जसोल (राजस्थान)

अभातेयुप का 46वाँ वार्षिक अधिवेशन परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा ।

1. अधिवेशन में सम्भागियों की संख्या सीमित नहीं की गई है ।
2. 15 अक्टूबर, 2012 तक पंजीयन शुल्क रूपये 750/- प्रति संभागी, उसके बाद शुल्क रूपये 1000/- प्रति संभागी होगा ।
3. अधिवेशन में किसी कारणवश संभागी नहीं पहुँच सके तो पंजीयन शुल्क वापस नहीं होगा ।
4. संभागी ताला–चाबी तथा सर्दी को ध्यान में रखते हुए गर्म वस्त्र अवश्य साथ में लायें ।
5. अधिक जानकारी हेतु अधिवेशन संयोजक से संपर्क करें ।

निवेदक

संजय खटेड़	**हनुमान लुंकड़**	**प्रफुल्ल बेताला**
अध्यक्ष	अधिवेशन संयोजक	महामंत्री
	9448190343	

।। चरणों को गतिमान बनाएं, सपनों को साकार बनाएं ।।

संगठन यात्रा

अभातेयुप के पदाधिकारी / प्रभारी / कार्यकारिणी सदस्य / क्षेत्रीय सहयोगी द्वारा की गई यात्राओं का संक्षिप्त विवरण ।

दिनांक	स्थान	सान्निध्य	कार्यक्रम	सहयोगी
श्री संजय खटेड़, अध्यक्ष				
22-23.09.2012	चेन्नई	साध्वीश्री संगीत श्री जी	दक्षिणांचल युवा सम्मेलन	**श्री बी. सी. भलावत, श्री प्रफुल्ल बेताला श्री कैलाश बोराणा,** श्री निलेश बैद श्री रमेश पटावरी, श्री रमेश खटेड़ श्री राजेन्द्र बोथरा, श्री महेन्द्र नाहर श्री रमेश डागा, श्री अलंकार आच्छा श्री विमल कटारिया, श्री प्रमोद नाहर
श्री बी. सी. भलावत, उपाध्यक्ष				
01.09.2012	कुर्ला		मेगा ब्लड डोनेशन ड्राईव बैठक	श्री राजेन्द्र मुणोत, श्री महावीर कोठारी श्री हस्ती सुतरिया, श्री पंकज सिसोदिया श्री कमलेश नाहर
01.09.2012	कांदिवली, भयन्दर मलाड़, जोगेश्वरी अन्धेरी, विरार वाशी, विलपार्ले सांताक्रूज		मेगा ब्लड डोनेशन ड्राईव बैठक	श्री रमेश सुतरिया, श्री राजेद्र मुणोत श्री महावीर कोठारी, श्री देवेन्द्र डागलिया
16.09.2012	भयन्दर		प्रेस कानफ्रेन्स	श्री राजेन्द्र मुणोत, श्री महावीर कोठारी श्री गौरव कोठारी, श्री महेश बाफना
श्री राजेन्द्र मुणोत, सह-प्रभारी : प्रकाशन				
05.08.2012	अन्धेरी		संगठन यात्रा	श्री महावीर कोठारी, श्री पंकज सिसोदिया श्री मांगीलाल छाजेड़
07.08.2012	बान्द्रा		संगठन यात्रा	
08.08.2012	जोगेश्वरी		संगठन यात्रा	श्री पंकज सिसोदिया
17.09.2012	मलाड़		सम्मान समारोह	

स्वागत बोर्ड

पाथेय के अंक – 5 के साथ बोर्ड का एक प्रारूप भेजा गया था । सभी शाखा परिषदें अपने अपने क्षेत्रों में नगर के प्रवेश मार्ग पर 4' x 2' साईज में प्रेषित प्रारूप के अनुरूप 30 अक्टूबर 2012 तक बोर्ड अवश्य लगाएं ।

बोर्ड का प्रारूप अभातेयुप की वेबसाइट www.abtyp.com पर उपलब्ध है ।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क सूत्र :–

श्री रमेश कोठारी

मो. 9448282123

द्विदिवसीय दक्षिणांचल युवा सम्मेलन

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्त्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् चेन्नई द्वारा आयोजित द्विदिवसीय दक्षिणांचल युवा सम्मेलन साध्वी संगीत श्री के सान्निध्य में 22-23 सितम्बर 2012 को आयोजित हुआ । दक्षिण की 14 शाखा परिषदों के कुल 139 युवा साथियों ने विभिन्न सत्रों में गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया । इस सम्मेलन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय खटेड़ ने की । राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वितीय श्री बालचंद भालावत, राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रफुल्ल बेताला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश बोराणा सहित अभातेयुप से जुड़े दक्षिणांचल के विभिन्न प्रभारी, कार्यसमिति सदस्यों तथा क्षेत्रीय सहयोगियों ने भी इस सम्मेलन में सहभागिता प्रदान की । श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप जैन विद्या सलाहकार श्री निलेश बैद ने किया । तेयुप चेन्नई के अध्यक्ष श्री विनोद डागा ने समागत सभी का स्वागत करते हुए दक्षिणांचल युवा सम्मेलन का आयोजकिय दायित्व तेयुप चेन्नई को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की ।

हमारे संस्कार हमारी विरासत विषय पर साध्वी श्री संगीत श्री जी, साध्वी श्री शांतिप्रभा जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय खटेड़ ने महत्वपूर्ण विचार रखे । **Business Development** विषय पर प्रखर वक्ता श्री राकेश खटेड़ ने, **सफल कार्यकर्त्ता कौन ?** पर महामंत्री प्रफुल्ल बेताला, **आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर** पर कोषाध्यक्ष श्री कैलाश बोराणा ने सदन को संबोधित किया । सायं कालीन सत्र में **ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता** का संचालन श्री राजेश खटेड़ एवं सुश्री याशिका खटेड़ ने किया । **कैसे मनाएँ अभातेयुप स्वर्ण जयन्ति** विषय पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया । रात्रि में **जिज्ञासा-समाधान** का खुला सत्र चला । दूसरे दिन **संगठन के मौलिक तत्त्व** विषय पर साध्वी श्री संगीत श्री जी, साध्वी श्री शांतिप्रभा जी एवं अभातेयुप उपाध्यक्ष द्वितीय श्री बालचंद भलावत ने सदन को संबोधित किया । **व्यक्तित्व विकास** सत्र पर अपनी मंजी हुई शैली में प्रशिक्षण प्रदान किया चाड़वास निवासी कोलकाता व आस्ट्रिया प्रवासी डॉ. राज सेठिया ने । विभिन्न सत्रों का संचालन कार्यशाला के केन्द्रीय संयोजक श्री रमेश पटावरी, स्थानीय संयोजक श्री रमेश खटेड़, सेलम शाखा, बेंगलोर शाखा, स्थानीय तेयुप मंत्री श्री विकास सेठिया, सहमंत्री श्री भरत मरलेचा ने किया । इस अवसर पर सम्मेलन के प्रायोजक श्री जयन्तिलाल, विजय, सुयश सुराणा सहित सभी केन्द्रीय पदाधिकारियों का सम्मान स्मृतिचिन्ह के द्वारा तेयुप चेन्नई ने किया । तेयुप चेन्नई के कार्यकर्त्ताओं ने इस सम्मेलन की सफल आयोजन में सार्थक श्रम नियोजित किया ।

अभातेयुप भवन निर्माण कार्य हेतु आर्थिक सहयोग का आह्वान

पूज्यवर का सन् 2013 का चातुर्मास 'लाडनूं' के लिए घोषित है । वर्ष 2013-2014 गणाधिपति गुरूदेव श्री तुलसी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है और अभातेयुप का स्वर्ण जयन्ती वर्ष भी है । आगामी वर्षों में अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अभातेयुप का भवन लाडनूं में जैन विश्व भारती के पास बन रहा है । **भवन निर्माण का कार्य प्रगति पर है ।**

सभी युवा साथियों एवं तेरापंथ समाज के श्रावक-श्राविकाओं से अनुरोध है कि अवश्य सहयोग प्रदान करें । सहयोग राशि **₹ 31,000/-** निर्धारित की गई है । सहयोग राशि आप (SBI Ladnun A/c No. 30313076278) में जमा करा सकते हैं । जमा राशि की रसीद (Bank Counter Slip) महामंत्री कार्यालय अविलम्ब भिजवाएं ।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-

श्री कैलाश बोराणा, पर्यवेक्षक : भवन निर्माण (मो. 98455 02718)

श्री मनोज नाहटा, प्रभारी : भवन निर्माण (मो. 98290 52063)

दीपावली पूजन विधि

दीपावली भारत का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व है । इस पर्व के साथ विभिन्न संस्कृतियों एवं महापुरुषों के जीवन का सम्बन्ध है । प्राचीन साहित्य के अनुसार दीपावली का एक सम्बन्ध भगवान महावीर के निर्वाण से है । दीपावली के अवसर पर पूजन के समय सर्वप्रथम भगवान महावीर की भाव वन्दना एवं अपने बही खातों का प्रारम्भ करते समय संस्कृति परक अपनी विधि हो तो परिवार में महापुरुषों की पावन स्मृति के साथ जैनत्व के संस्कार स्वत: ही उजागर होंगे । शाखा परिषदें अपने अपने क्षेत्रों के सभी परिवारों में इस विधि को प्रसारित करवाने की व्यवस्था करें ।

आवश्यक सामग्री:

अक्षत (चावल), कुंकुम, मोली, गुड़, जल कलश, अगरबत्ती, लाल वस्त्र, पट्ट, सिक्के, घी का दीपक, थाल, मंगल–भावना यंत्र आदि ।

विधि :

सर्व प्रथम पूर्वाभिमुख होकर 'मंगल–भावना यंत्र' को उचित स्थान पर स्थापित करें ।

थाल के मध्य कुंकुम से 'अर्हम्' का अंकन करें । पट्ट पर लाल वस्त्र बिछाकर चावल से स्वस्तिक 卐 बनाएँ ।

सर्व–मंगल–मांगल्यं, सर्व–कल्याणकारणम् ।
प्रधानं सर्वधर्माणां, जैनं जयतु शासनम् ।।

इस मन्त्रोच्चारण के साथ स्वयं के तथा परिवार के प्रमुख व्यक्ति के मस्तक पर तिलक करें और हाथ पर मोली बांधे ।

मंगलं भगवान वीरो, मंगलं गौतम प्रभु: ।
मंगलं स्थूलभद्राद्या:, जैनधर्मोस्तु मंगलम् ।।

इस मन्त्रोच्चारण के साथ कलम आदि के मोली बांधे तथा उपस्थित सदस्यों के तिलक करें । सभी सदस्य एकाग्र होकर सामूहिक रूप से निम्न मन्त्रों का उच्चारण करें ।

णमो समणस्स भगवओ महावीरस्स
ॐह्रीं श्रीं अर्हं अर्हद्भ्यो नमो नम:
ॐह्रीं श्रीं अर्हं सिद्धेभ्यो नमो नम:
ॐह्रीं श्रीं अर्हं आचार्येभ्यो नमो नम:
ॐह्रीं श्रीं अर्हं उपाध्यायेभ्यो नमो नम:
ॐह्रीं श्रीं अर्हं गौतमस्वामिप्रमुख सर्व साधुभ्यो नमो नम:

बही खातों के मुख्य पृष्ठों पर निम्नांकित शब्द वन्दना अंकित करें:–

श्री
श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री

णमो समणस्स भगवओ महावीरस्स
णमो अरहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं ।
णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं ।।
एसो पंच णमुक्कारो, सव्व पाव पणासणो ।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं ।।

अ	ए	सि
स	आ	मं
उ	प	सा

ज्ञान	दर्शन
चारित्र	तप

अ	ए	सि	
स	आ	मं	
उ	प	सा	

१	१४	४	१५
८	११	५	१०
१३	२	१६	३
१२	७	९	६
ॐ	ह्रीं	श्रीं	क्लीं

श्री भगवान महावीर जैसा दिव्य ज्ञान, श्री गौतम गणधर जैसा भव्य ध्यान, श्री भरतचक्रवर्ती जैसी अनासक्ति, श्री बाहुबलि जैसी शक्ति, श्री अभयकुमार जैसी निर्मल बुद्धि, श्री धन्ना शालिभद्र जैसी ऋद्धि–सिद्धि, सेठ सुदर्शन जैसा शील, श्री कयवन्ना जैसा सौभाग्य, माता मरू देवी जैसी सुखश्री के लिए शुभ वीर संवत्..... विक्रम संवत्..... तिथि..... वार..... दिनांक..... शुभ लग्न..... एवं शुभ नक्षत्र..... में श्री दीपमालिका (महावीर जयन्ती आदि) के मंगल पर्व पर भगवान महावीर के मंगलमय स्मरण के साथ बही खातों का सानन्द शुभारम्भ किया ।

मंगल मंत्र का इस प्रकार उच्चारण करें ।

वीरः सर्वसुरासुरेन्द्र – महितो,
वीरं बुधा : संश्रिताः ।
वीरेणाभिहतः स्वकर्म – निचयो,
वीराय नित्यं नमः ।
वीरात् तीर्थमिदं प्रवृत्तमतुलं,
वीरस्य घोरं तपो ।
वीरे श्री–धृति–कीर्ति–कान्तिनिचयो,
हे वीर ! भद्रं दिश ।।

सभी उपस्थित जन सामूहिक रूप से 'मंगल भावना' के पद्यों का उच्चारण करें ।

मंगल - भावना

श्री सम्पन्नोऽहं स्याम्
ह्री सम्पन्नोऽहं स्याम्
धी सम्पन्नोऽहं स्याम्
धृति सम्पन्नोऽहं स्याम्
शक्ति सम्पन्नोऽहं स्याम्
शान्ति सम्पन्नोऽहं स्याम्
नंदी सम्पन्नोऽहं स्याम्
तेजः सम्पन्नोऽहं स्याम्
शुक्ल सम्पन्नोऽहं स्याम्

महावीर स्तुति आदि मंगल गीतों का एकाग्र होकर संगान करें ।

MEGA BLOOD DONATION DRIVE

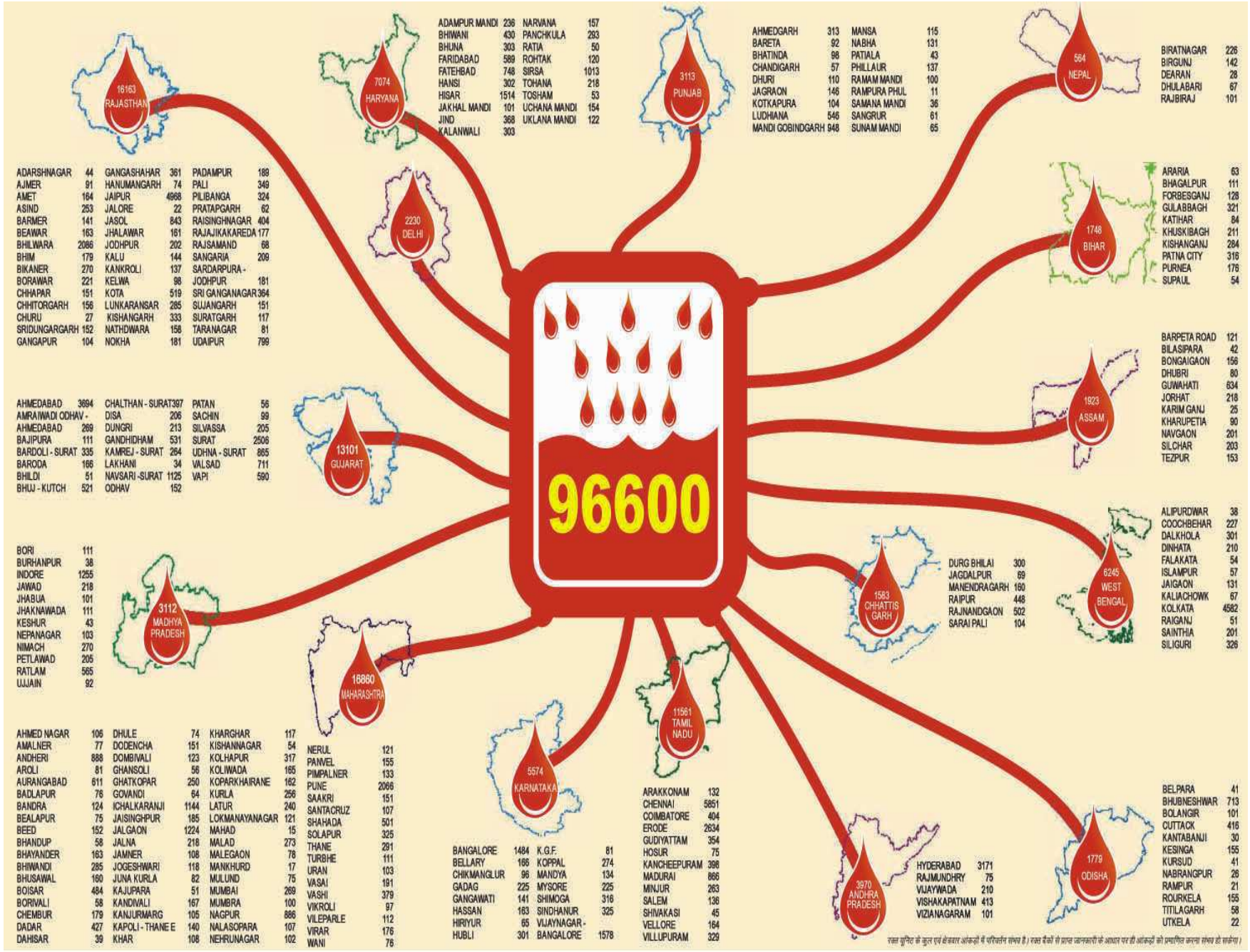

रक्त यूनिट के कुल एवं क्षेत्रवार आंकड़ों में परिवर्तन संभव है। रक्त बैंकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ही आंकड़ों को प्रमाणित करना संभव हो सकेगा।